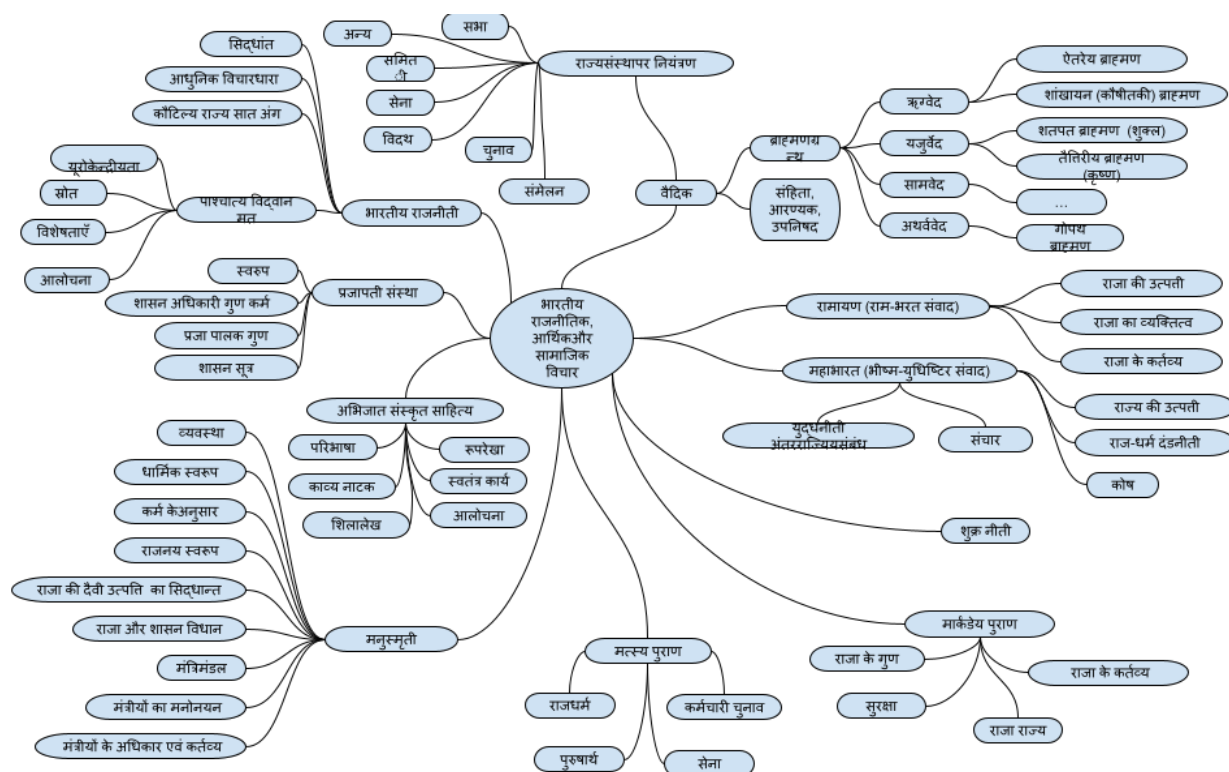


Indian Political, Economic and Sociological Thoughts

MCKS Sem 1 Course 2 Notes



भारतीय राजनीती

सिद्धांत

परिभाषा:

- तर्कपूर्ण ढंग से संचित और विश्लेषित ज्ञान समूह.
- दर्शन मी सत्य और ज्ञान कि खोज, अगर राजनीतिक विषय है तो 'राजनीती दर्शन'
- राजनीतिक सिद्धांत उसका हिस्सा

प्रश्न:

- राज्य का स्वरूप और प्रयोजन क्या है?
- संगठन के लक्ष्य और पद्धतियों के बारे में निर्णय कैसे करे?
- राज्य और व्यक्ति के बीच मी संबंध क्या है?

तत्व:

- वेद और सनातन धर्म की रक्ष के लिये
- यह देखना है कि समाजके सभी अंग अपने अपने कर्तव्य का पालन करें और दूसरे के कर्तव्य में बाधा नहि
- सर्वमान्य नियमोंके अनुसार रहे
- दंड निति दूषित तो समाज दूषित
- विद्या, यज्ञ एवं दान का रक्षण और संवर्धन

आधुनिक विचारधारा

- नई प्राथमिकता: व्यक्ती स्वातंत्र्य और राज्यके साथ उसका संबंध
- अभिजन समूह, राजनीतिक दल , आदी व्यवस्था
- मानवी समाज कि एकता और अखंडता या फिर समाज कि सामूहिक आवश्यकता

कौटिल्य राज्य सात अंग

- राज्य सात अंगो से बना है : स्वामी, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, दण्ड , मित्र
- चिंतन: राजनीती, स्वतंत्रता, न्याय, संपत्ती, अधिकार, कानून, ई .
- स्वामी: उच्च कुल में जन्मा, धर्म मी रुची, दूरदर्शी, सत्यवादी, महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, शिक्षणप्रेमी
- अमात्य (मंत्री): योग्य और निष्ठावान (रिश्तेदार, सहपाठी , परिचित, शराबी, प्रमाद, अहंकारी ना हो)
- जनपद: जनता + भूमी. कर चुकाने वाली और संपन्न, गाव में १००-५०० घर होने चाहिये
- दुर्ग: राज्य कि सुरक्षा. भोजन पानी और गोला बारूद कि व्यवस्था,
 - औदक: चारो और से पानी
 - पर्वत: पत्थरों से निर्मित
 - धान्वं: जल और घास रहित भूमी मे
 - वन: चारो और दलदल या झाडी
- कोष: निरंतर वृद्धी करना चाहिये, कृषक(१/६), व्यापारी (१/१०), पशु व्यापार (१/५०)...
- दण्ड: राजा कि शक्ती: सेने, गुप्तचर, पुलिस, न्याय व्यवस्था उनको अच्छा वेतन
- मित्र: पड़ोसी राज्य. वंश-परंपरागत , विश्वसनीय, हितैषी

पाश्चात्य विद्वान मत

यूरोकेन्द्रीयता

- भारतीय दर्शन में चिंतन का अभाव - मैक्सम्युलर, ब्लूमफिल्ड वर डर्निंग
- भारतीय विचार युनानी विचार 'रिपब्लिक' प्लेटो के पाहिले

स्रोत

राज्यशास्त्रपर पृथक ग्रंथ

- वैदिक, पुराण, जैन-बौद्ध साहित्य ...
- कौटिल्य, मनु , बृहस्पती, याज्ञवल्क्य, शुक्र, पराशर
- सोमदेवसूरी (नीतिवाक्यामृतम), मित्रमिश्र (वीरमित्रोदय)...

विशेषताएँ

- राज्यशास्त्र के विविध नाम : अर्थशास्त्र, राजधर्म, दंडनीती, नीतिशास्त्र, प्रशासन शास्त्र, राजशास्त्र...
- न आदर्शवादी किंतु व्यवहारवादी
- दंडनीती का महत्व
- विशेष शब्दावली
- राजनीतिक + सामाजिक समन्वय
- धर्म + राजनीती संबंध
- राजनीतिक ग्रंथोंमें एकवाक्यता, आम सहमती
- परमात्मा द्वारा रचित
- राज्य एक आवश्यक और उपयोगी संस्था, प्रमुखता
- मोक्ष प्राप्ति का आधार
- राजा को सर्वपरी स्थान
- अनेक छोटे राज्योंका अस्तित्व
- विचारोंकी अपेक्षा संस्थाओं पर बल

आलोचना

- राजनीती को धार्मिक और अध्यात्मवादी पर्यावरण , स्वतंत्र नहीं
- श्वेच्छाचारी शासन, अव्यावहारिक और आदर्शवादी

प्रजापती संस्था

स्वरूप

- प्रजा के अधिकार अधिक : राष्ट्रपती/प्रजापती कि नियुक्ती , हटाना
- समाज कि सेवा का धर्म
- व्यक्ती और समाज के कर्तव्य नियत.
- काल प्रजा उत्पन्न करता है -> प्रजा उन्नत होती है, काल प्रजा के माध्यम से पालनकर्ता का चुनाव करती है
- प्रजापती सबसे बलवान हो, ब्रह्मचारी/योगी हो, सबके आदर पात्र हो.

शासन अधिकारी गुण कर्म

- प्रजा के साथ मिलजुलकर रहे
- सत्य विचार, सत्य भाषण , पवित्र
- वृषा (बलवान), इंद्र (विजेता), हरी (दुःख निवारण), पवमान (पवित्र), इंद्र (प्रसन्नता दे), प्रजापती (सुखी प्रजा)

प्रजा पालक गुण

- न्यायदान : सत्य असत्य का निर्णय
- कोषाध्यक्ष : कर वसुली
- बल वृद्धी: ज्ञान बल , वीर बल , कर्म बल , कृषी बल ...

- तेज, यश और अन्न देनेवाला
- मातृभूमिको उपजाऊ बनाना
- तैत्तिरीय अधिकारियोंका पोषण
- प्रजाजननकेलीये घर
- जलस्थान कि स्थापना
- रमणीय मातृभूमी
- व्यापार व्यवहार के लिये पर्याप्त धन और रुची
- प्रजा के साथ मिलकर आनंद में रहेना
- परस्पर ध्यान देना
- नगरी का निर्माण
- विविध कार्य करने वाला

शासन सूत्र (३३)

- राजा स्वयंभू है
- व्यक्ती नाश होने वाली, पर राष्ट्र अमर है
- ...

मनुस्मृती

व्यवस्था

- परिभाषा: कार्यो और नियमों को किसी निश्चित स्थान पर सुविचारीत करना
- दृढ तथा आदर्श हिंदू राज्य व्यवस्था दी

धार्मिक स्वरूप

- धर्म प्रधान शासन, सर्वोत्तम शासन
- दो उद्देश: अभ्युदय, निःश्रेयस

कर्म केअनुसार

- ब्राह्मण : धर्मशास्त्र कि रक्षा , शिष्योंको पढाना (अन्य वर्ण ये नही कर सकते)
- क्षत्रिय: प्रजा कि रक्षा, दान देना , प्रजा को सुखी रखना
- वैश्य: पशु कि रक्षा, व्यापार
- शूद्र: सेवा करना

राजनय स्वरूप

- विदेशो में भेजे जाने वाले प्रतिनिधी
- कूटनीतिक काम
- दूत, राज्यों के बीच मी समन्वय

राजा की दैवी उत्पत्ति का सिद्धान्त

- कोई उसका अपमान ना करे
- अत्यंत पवित्र , अष्ट देवता के गुण
- परंतु उसका देवत्व उसके शिष्ट एवं उच्च आचरण पर निर्भर

राजा और शासन विधान

- तीन प्रमुख कार्य हैं
 - राजनयिक (प्रबन्ध अर् वा कार्यकारिणी)
 - सम्बन्धी
 - न्याय सम्बन्धी एवम् विधान निर्माण सम्बन्धी कार्य
- दण्ड संपूर्ण प्रजाओं पर शासन करता है, सबकी रक्षा करता है, सब प्राणियोंके के सोने पर वह अकेला जागता रहता है, विद्वानों ने धर्म को दण्ड हेतु माना है।
- यदी राजा दण्ड का उचित प्रयोग करता है, तब वह धर्म और काम से समृद्ध माना जाता है, इसके विपरीत कामी, क्रोधी तथा क्षुद्र, नृत्य, दण्ड के द्वारा ही मारा जाता है
- राजा को इसप्रकार की व्यवस्था करनी चाहिये कि उसके राज्य में सर्वत्र शांतता हो
- राजा के विशेष अधिकार: जमीन के अन्दर गड़ी हुई संपत्ति

मंत्रिमंडल

- विस्तृत राज्य जो कठीण कार्य है, उसे अकेला राजा सुव्यवस्थित रूप से नहीं चला सकता। इसलिये राज्य मंत्रियोंकी नियुक्ती
- मंत्री परिषद की सदस्यता के लिये विविध विषयों के अलग- अलग विशेषता होनी चाहिये
- मंत्री मण्डल में विशेष लोग विचार विमर्श के लिये बैठते हैं और मण्डल की अधिकांश बातें गोपनीय रखकर, बल्की उसे सीधे कार्य के रूप में परिणीत कर दिये जाते हैं

मंत्रीयों का मनोनयन

- औपनिवेशिक सिद्धान्त: परंपरागत सेवकों में से सदस्य नियुक्त
- सम्यक शास्रज्ञता : विषय का पूर्ण विश्वास, विधिवत प्राप्ती , नवं योजना निर्माण
- उच्च कुल कि वंशावली : रक्त कि परंपरा (उपरी दोनों के लिये)

मंत्रीयों के अधिकार एवं कर्तव्य

- अपने अधिकार क्षेत्र का संचालन
- राजा को गोपनीय रिपोर्ट

वैदिक

रामायण (राम-भरत संवाद)

राजा की उत्पत्ती

राजा का व्यक्तित्व

राजा के कर्तव्य

Part of Ayodhya Kanda (Sarga 100)

- Almost every verse contains the word – कच्चित् – hence called as Kaccid Sarga
- Rama's advice to Bharata as regards to the duties of a king and polity under an ideal monarchy.
- When Rama went for exile and Bharata came to know about it, he followed Rama along with his paraphernalia to bring his elder brother back to the throne.
- This conversation takes place in the forest.
- I hope that ministers who are valiant like you, learned, masters of their senses of noble birth and skilled interpreting internal sentiments by external gesture, are assigned to you.
- I hope that you do not deliberate alone nor indeed with numerous men. I hope your decision arrived at by you through such deliberation does not flow to the public (even before it is carried out)

महाभारत (भीष्म-युधिष्ठिर संवाद)

राज्य की उत्पत्ती

राज-धर्म दंडनीती

कोष

संचार

युद्धनीती अंतरराज्यसंबंध

मत्स्य पुराण

राजधर्म

कर्मचारी चुनाव

पुरुषार्थ

सेना

मार्कण्डेय पुराण

राजा के गुण

सुरक्षा

राजा के कर्तव्य

राजा राज्य

शुक्र नीति

अभिजात संस्कृत साहित्य

परिभाषा

रूपरेखा

काव्य नाटक

स्वतंत्र कार्य

शिलालेख

आलोचना

—

मनु की कथा

No king, no penalties, dharma deteriorated, few wise went to brahmadev, he asked Manu to be king, he refused, people negotiated that he won't be responsible for their sins, will get tax, he agreed.

राजा की उत्पत्ती का दैवी सिद्धांत

Someone from the group, can be vaidya, purohit, mantrik

Like gruhapati of family, he has authority to command, penalize, and sell people; same got extended to 'kul', then to 'sangh' then to state.

ऋग्वेद:

कुटुम्ब -> जन्मन्/कुल -> विश -> जन

विश most powerful group, had own army, leader is called विशपति

जन - many विश, leader जनपति

राज्यसंस्था का स्वरूप

3 groups

ब्रह्म : पुरोहित, यज्ञ की जिम्मेदारी

क्षत्र: युद्ध नेतृत्व , समाज में अनुशासन
विश : सर्वसाधारण लोग
raja gets selected from good family of क्षत्र

राजा का अभिषेक

- At that time, he used to say "in my kingdom all trees, humans, should be free from disease, disasters. Public should be free from fear and destruction"
- This ceremony was done by purohit, that is why Purohit became important

राजा का चयन

From common people directly or via कुलपति / विश्वपति

ऋग्वेद

raja means leader of a group, purohit is also important. Raja selected or elected

राज्यसंस्थापर नियंत्रण

सभा

- A group of people (elder / learned) chosen by the common people of the village
- People coming together and discussing for arriving at a favorable decision.
- Sister of Samiti.
- Prayer: May all those that sit assembled in you, utter speech in harmony with me.

समिती

- Group of people at the capital of the Kingdom.
- सम्+इति | Meeting together – Assembly of commoners. Chief is called ईशान
- Functions: - election of king, discuss matters of state. King used to attend the Samiti and it was necessary for him to do so. people were anxious to make
- speeches agreeable to the assembled ones

विदथ

The religious life was organized through Vidatha. It is the parent folk-assembly from which Samiti, Sabha and Sena differentiated.

सेना

Army – A constitutional unit.

